जेपी में मरीजों के स्वास्थ्य के साथ हो रहा खिलवाड़

▸ सिविल सर्जन को व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने का समय नहीं

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 जुलाई. जय प्रकाश जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं का ढांचा सुधरने का नाम नहीं ले रहा हैं. बीते दिनों ही अस्पताल में मरीजों को खून से सने स्ट्रेचर मिलने की खबर नवभारत में प्रकाशित की गई थी. जिस लापरवाही की जानकारी सीएमएचओ मनीष शर्मा और सिविल सर्जन संजय जैन दोनों को दे दी गई थी.

अब तक इस विषय पर अस्पताल प्रशासन की तरफ से कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. करीब 6 दिन बीतने के बाद भी अस्पताल प्रशासन मौन है. वहीं मामले में की गई कार्रवाई के लिये नवभारत रिपोर्टर ने सीएमएचओ मनीष शर्मा से बात की, तो उन्होंने ये कहकर पल्ला झाड़ लिया कि जो भी एक्शन लिया जायेगा वह सिविल सर्जन लेंगे. जबकि सिविल सर्जन संजय जैन के पास तो बात करने का समय ही नहीं है. रिपोर्टर द्वारा जब फोन किया गया तो जवाब मिला कि वे बहुत व्यस्त हैं, समय नहीं है.

अस्पताल में मरीज इलाज को आते हैं, लेकिन इन अधिकारियों को उनके स्वास्थ्य से भी जरूरी ऐसे काम हैं जो जामीनी तौर पर तो दिखते ही नहीं. जिसका पता अस्पताल की चरमराई व्यवस्था से साफ चलता है. वहीं जो मरीज अस्पताल में बेहतर इलाज को आते हैं न जाने कब इस हवाहवाई स्वच्छता से इंफेक्शन से गंभीर संक्रमण की गिरफ्त में आ जायें, जिसके बाद उन्हें एक- दो बार नहीं बल्कि कई बार अस्पताल के चक्कर काटने पड़ सकते है. लेकिन अस्पताल व्यवस्था संभालने वालों के पास इन मरीजों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने का समय नहीं है.

कई दिनों से मरीजों को खून लगे स्ट्रेचर पर ले जाया जा रहा है

स्ट्रेचर पर पुराने मरीज के लगे खून के निशान

बुधवार को भी मरीजों को मिले गंदे स्ट्रेचर

बता दें अस्पताल में बुधवार को भी मरीजों को दिये जाने वाले स्ट्रेचर गंदी डिस्पोजबल शीट के साथ मिले .इनको इस्तेमाल के बाद न तो सैनेटाइज किया गया और न ही शीट बदली गई. जिससे खून निशान और अन्य गंदगी लगी हुई थी.

ट्रैफिक जाम से राहगीर परेशान

भोपाल. शहर के पाश इलाकों में देर शाम को ट्रैफिक जाम की समस्या हर रोज देखने को मिल रही है. बुधवार को देर शाम ज्योति टाकीज से डीबी माल चौराहे की तरफ जाने वाले मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही. इसके साथ ही सुभाष चौराहा, शाहपुरा लेक रोड, त्रिलंगा चौराहा सहित सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बारिश के सीजन में शहर के अधिकांश चौराहों पर देरी तक जाम की समस्या बनी दिख रही है. वाहन चालक देरी तक जाम में भी फंसे रहे. ज्योति टाकीज चौराहे से बोर्ड आफिस चौराहे की तरफ जाने वाले मार्ग पर एक तरफ नाले का निर्माण कार्य होने से चेतक ब्रिज की तरफ जाने और आने वाले वाहन डीबी माल चौराहे की तरफ जा रहे हैं.

बोट क्लब से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई टली

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 8 जुलाई. बड़े तालाब के बोट क्लब पर कैचमेंट में बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाना थी, जो टल गई. प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की पूरी तैयारी कर ली थी.

पुलिस बल भी मिल चुका था, लेकिन प्रशासनिक व्यस्तता के चलते बुधवार को कार्रवाई नहीं की जा सकी. अब बोट क्लब पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शनिवार को की जाएगी. यह जानकारी टीटी नगर क्षेत्र के तहसीलदार कुनाल राऊत ने दी. बोट क्लब पर बड़े हिस्से भी कैचमेंट एरिया में हैं. एमपी टूरिज्म बोर्ड का विंड एंड वेव्स, बोट क्लब, नगर निगम का सुलभ कॉम्प्लेक्स, कचरा कैफे, वन विहार का 8 हजार फीट हिस्सा सहित अस्थाई 27 लोगों की दुकाने हैं, जिनमें एक ने कोर्ट से स्टे लिया है. ऐसे में 26 दुकानों पर प्रशासन का बुलडोजर चलेगा. प्रशासन ने बेदखली के आदेश जारी कर दिए थे. जिनमें कैलाश शर्मा, रामप्रकाश राठौर, मनोहर अहिरवार, मुकेश शर्मा, कालूराम,पवन वर्मा, संतोष साहू, राजू शर्मा, प्रभु चंदेल, सुरेश चौधरी, बाबूलाल साहू, संतोष बाथम, अन्य भी शामिल हैं.

किसानों का ऊर्जा मंत्री के बंगले पर प्रदर्शन

▸ करंट से घायल किसान को नौकरी देने की मांग

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 8 जुलाई. राजधानी में बुधवार को सीहोर जिले के दर्जनों गांवों से सैकड़ों की संख्या में किसानो ने पहुंचकर प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह के बंगले पर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा.

ज्ञापन में बताया कि 18 जून को 11 केवी की विद्युत लाइन से सीहोर में करंट लगने से किसान सतीश मेवाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया था. इसके घटना के लिए बिजली विभाग दोषी. प्रदर्शन के बाद किसानों से ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर से मुलाकात की. किसानों ने पीड़ित किसान सतीश मेवाड़ा को 25 लाख रुपए मुआवजा, सरकारी नौकरी दिलवाने के साथ ही दोषियों पर कार्रवाई की मांग का ज्ञापन दिया.

भोपाल आकर करना पड़ा आंदोलन

किसानों ने कहा कि इससे पहले वे सीहोर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री को भी कई बार ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. इसी कारण मजबूर होकर उन्हें भोपाल आकर आंदोलन करना पड़ा. प्रदर्शन में सीहोर जिले के ग्राम बड़वेली, बिलकिसगंज, रामखेड़ी, अमरूद, अवंतीपुरा, चंदेरी, मगरखेड़ा, मोरिया, भगवानपुर, डाबला सहित दर्जनों गांवों के किसान शामिल रहे.

नगर निगम में पदोन्नति के लिए डीपीसी जल्द

638 कर्मचारियों की होना है पदोन्नति

विजय शर्मा

भोपाल, 8 जुलाई. नगर निगम में वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचरियों को जल्द ही खुशखबरी मिल सकती है. एक सप्ताह में डीपीसी की बैठक होने की संभावना है. इस बैठक में निर्णय लिया जाएगा कि पदोन्नति का लाभ किस पद पर मिलेगा. पदोन्नति का लाभ जिन कर्मचारियों को मिलेगा उनकी सूची तैयार कर ली है.

बताया जाता है कि पदोन्नति के लिए 638 कर्मचारी पात्र पाए गए हैं. यह वो कर्मचारी हैं,जिन्हें दो से तीन पदोन्नति मिलना चाहिए थी, लेकिन विगत 10 वर्षों से अधिक समय से पदान्नति नहीं हुई. जिस वजह से वह जिस पद पर भर्ती हुए थे, उसी पद पर कार्य कर रहे हैं. सैकड़ों कर्मचारी तो पदोन्नति के इंतजार में सेवानिवृत भी हो गए. कुछ कर्मचारी तो ऐसे हैं जो एक दो माह में सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं. बताया जाता है कि हाईकोर्ट ने कहा कि पदोन्नति पर कोई रोक नहीं लगी है सरकार ने सभी विभागों पदोन्नति के लिए स्वतंत्र कर दिया है.

नगर निगम में 1100 विनियमित कर्मचारी

नगर निगम में विनियमित कर्मचारियों को नियमित करने पर भी विचार चल रहा है .लगभग 1100 विनियमित कर्मचारी हैं. इनमें वर्ष 2000 तक के 500 कर्मचारी शामिल हैं .सूत्रों की माने तो पदोन्नति और विनियमित को नियमित करने के लिए महापौर और निगमायुक्त भी गंभीर हैं और वे जल्द ही पदोन्नति के बाद नियमितीकरण की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी दे सकते हैं. पदोन्नति के बाद 638 पद खाली हो जाएंगे. जिन पर विनयिमित पात्र 500 कर्मचारी नियमित के नियम में आ रहे हैं, वहीं शेष पदों पर अनुकंपा नियुक्ति और अन्य से भरा जा सकेगा.

इनका कहना है...

नगर निगम में पदोन्नति की प्रकिया चल रही है. पदोन्नति प्रक्रिया के लिए पहले से ही समिति बनी हुई है. एक सप्ताह में डीपीसी की बैठक हो सकती है.

वरुण अवस्थी, अपर आयुक्त,नगर निगम

3 लाख ठगे, फर्जी नियुक्ति पत्र सौंपा, आरोपी को ढूंढ रही पुलिस

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 जुलाई. कमला नगर थाना इलाके में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवक से करीब तीन लाख रुपए की ठगी हो गई. आरोपी ने युवक को झांसे में लेकर खुद को करणी सेना का पूर्व जिला अध्यक्ष बताया. आरोपी की बातों में आकर युवक ने उसे रुपए दिए.

आरोपी ने रुपए लेकर युवक को एक नियुक्ति पत्र भी दिया था. संबंधित कार्यालय पहुंचने के बाद युवक को ठगी का एहसास हुआ. युवक ने कमला नगर थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की. पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. फरियादी पवन कुमार ने पुलिस को बताया कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है. उसकी कुछ दिन पहले कोटरा निवासी आशु कुमार से मुलाकात हुई. आशु ने खुद को करणी सेना को पूर्व जिला अध्यक्ष बताया.आशु ने पवन को इस दौरान एलडीसी पद पर नौकरी दिलाने की बात कही. आशु की बात में आकर पवन ने उसे तीन लाख रुपए दे दिए. आशु ने नौकरी का एक फर्जी नियुक्ति पत्र भी उसे दे दिया. पत्र लेकर संबंधित कार्यालय में ज्वाइनिंग करने पहुंचे पवन को कार्यालय से पता चला की उसके साथ ठगी हुई है.

खुद के नलकूपों के पानी की जांच नगर निगम से कराएं

भोपाल. नगर निगम ने शहर की जनता से अपील की है कि स्वयं के नलकूप सहित अन्य जल स्त्रोतों के पानी की जांच नगर निगम से अनिवार्य रूप से कराने की अपील की है. नगर निगम द्वारा बारिश में नदी एवं अन्य जल स्त्रोतों का पानी मटमैला होने के बाद 15 जलशोधन संयंत्रों में पानी का शुद्धिकरण कर सप्लाई किया जा रहा है. बारिश में नर्मदा नदी में जल का संग्रहण अधिक मात्रा में होने तथा पानी का बहाव तीव्र होने के कारण नर्मदा नदी से मटमैला रॉ वाटर आ रहा है जिसे नगर निगम द्वारा शाहगंज स्थित खटपुरा जलशोघन संयंत्र में साफ किया जा रहा है.

मां-बेटे के गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

2 नाबालिगों के साथ मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल,8 जुलाई. मां-बेटे के गांजा तस्करी गिरोह का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया. 13 किलो 70 ग्राम गांजा सहित मुख्य आरोपी राहुल सौदे उर्फ राहुल कुचबंदिया को गिरफ्तार किया गया. दो नाबालिगों से भी तस्करी कराई जा रही थी.

मुख्य आरोपी की मां पहले से ही गांजा तस्करी के प्रकरण में जेल में है. उसका बेटा यह नेटवर्क चला रहा था. आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड एवं आर्थिक लाभ के स्त्रोतों की भी जांच की जा रही है. आरोपी जयसिंह मंडी बामोरा फरार चल रहा है.

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी रेलवे स्टेशन क्षेत्र में कुछ व्यक्ति बड़ी मात्रा में अवैध गांजा लेकर ग्राहक की तलाश में बैठे हैं. मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दो नाबालिगों को संदिग्ध अवस्था में प्लास्टिक के थैलों के साथ बैठे देखा. दोनों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि वे अपने रिश्ते के मामा राहुल सौदे उर्फ राहुल कुचबंदिया निवासी सागर के साथ भोपाल आए हैं. राहुल उन्हें गांजा से भरे थैले देकर ग्राहक की तलाश करने एवं गांजा बेचने के लिए छोड़कर चला गया था. पुलिस को मौके पर कुल 13 किलो 70 ग्राम गांजा बरामद हुआ. जब्त गांजा की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 2 लाख 75 हजार रुपये आंकी गई. कार्रवाई के दौरान एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया, जिसकी तकनीकी जांच की जा रही है.

पूछताछ में आरोपी राहुल ने उड़ीसा से गांजा लाकर भोपाल, मंडी बामौरा तथा आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई करना स्वीकार किया गया.

पहली कक्षा में बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन हो

संभागायुक्त ने ली अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 8 जुलाई. संभागीय कार्यालय में आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने बुधवार को जिलों के सभी विभागों के समय सीमा कार्यो की समीक्षा बैठक की.

बैठक में शर्मा ने कहा कि शासन की प्राथमिकता जनहितकारी सेवाओं को निश्चित समय में पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रदाय करना है, इसलिए सभी अधिकारी शिकायतों एवं प्रकरणों के निराकरण समय पर करें. उन्होंने कहा कि संभाग के सभी जिलों में नये शैक्षणिक सत्र में प्रथम कक्षा में बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन 15 जुलाई तक सुनिश्चित करें.प्रतिदिन मॉनीटरिंग कर नामांकन के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जाएं. पुस्तक एवं साइकिलों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए.

बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास विनोद यादव, उपायुक्त भारती देवी मिश्रा सहित संभागीय स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे. संभागायुक्त ने कहा कि ने सभी जिलों के संबल 2.0 पोर्टल पर लंबित प्रकरणों में महिला एवं बाल विकास एवं श्रम विभाग संयुक्त रूप से शासन के निर्देशानुसार कार्रवाई करें. इसके लिए सभी जिलों में स्पेशल ड्राइव चलाई जाए.

युवक ने फांसी लगाई, सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी

भोपाल. ईंटखेड़ी थाना इलाके में एक 26 साल के युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मौके पर पहुंची पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है. इसमें सॉरी लिखा है. पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक पंकज राजपूत निवासी चौकसे नगर ने मंगलवार देर रात अपने घर में फांसी लगा ली. परिजनों ने देर रात पंकज को फंदे पर लटकता देखा. परिजन उसे तुरंत अस्पताल गए, जहां डॉक्टरों ने पंकज को मृत घोषित कर दिया. पुलिस की शुरुआती जांच में पंकज ने जिस कमरे में फांसी लगाई. वहां पर एक कागज मिला, जिस पर सॉरी लिखा है.

पिता ने डांटा तो ट्रेन से झांसी से भोपाल आ गया नाबालिग

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 जुलाई. जीआरपी 31 जुलाई तक विशेष अभियान चलाकर रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से रह रहे निराश्रितों की पहचान कर रही है.

जीआरपी के मुताबिक झांसी निवासी एक 14 साल का नाबालिग अपने पिता की डांट से नाराज होकर ट्रेन में बैठकर भोपाल आ गया था. पूछताछ के बाद उसके परिजनों से संपर्क किया गया. इसके बाद नाबालिग का बड़ा भाई जीआरपी थाने पहुंचा. उसे नाबालिग को सौंप दिया. जीआरपी की गंजबासौदा चौकी में देशराज कोल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह परिवार के साथ उमरिया से नटेरन क्षेत्र में काम करने ट्रने आ रहे थे. गंजबासौदा में 5 साल के बेटे को उतारना भूल गए, जो सीट पर सो रहा था. जीआरपी विदिशा ने विदिशा के प्लेटफार्म न. 03 से बच्चे को सुरक्षित ढूंढ लिया, जिसे बच्चे के पिता को सौंप दिया.

नगर निगम ▸ दो दर्जन अधिकारियों कर्मचारियों के वेतन रोकने के दिए निर्देश

राजस्व वसूली कम होने पर अफसरों को फटकारा

नवभारत संवाददाता

भोपाल,8 जुलाई. नगर निगम के नवीन मुख्यालय अटल भवन में बुधवार को निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने समय सीमा कार्यो की की समीक्षा बैठक की. उन्होंने राजस्व, जलकार्य, सीवेज, फायर सहित अन्य कार्यो की विभागवार जानकारी ली.

इस दौरान उन्होंने पाया कि विभिन्न मदों में कम वसूली, यांत्रिक एवं सीवेज संबंधी काय समय पर नहीं किए जा रहे हैं. साथ ही इन विभागों में सीएम हेल्पलाइन तथा अन्य शिकायतों का निराकरण धीमी गति किया जा रहा है. इस पर उन्होंने तीनों विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए फटकार लगाई. उन्होंने कहा कि आप लोग अपने कार्यो को लेकर गंभीर नहीं हैं. निगम में राजस्व वसूली में जोन और वार्ड प्रभारी गंभीरता से कार्य नहीं कर रहे हैं. जिससे राजस्व में कमी आ रही है. अगर राजस्व नहीं आएगा तो निगम के विकास कार्य और वेतन में परेशानी होगी. कर वसूली में सख्ती करें.

उन्होंने जलकार्य और सीवेज को लेकर कहा कि गंदे व दूषित पानी सप्लाई और सीवेज को लेकर जनता की बड़ी मात्रा में शिकायतें मिल रहीं है. साथ आप लोग सीएम हेल्पलाइन के साथ निगम को प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं. जनता में निगम की छवि धूमिल कर रहे हैं. सभी शिकायतों का जल्द निराकरण कर अवगत कराएं.

उसके बाद आयुक्त ने राजस्व राजस्व विभाग के सहायक आयुक्त, यांत्रिक व सीवेज विभाग के अधीक्षण यंत्रियों, कार्यपालन यंत्रियों, सहायक यंत्रियों, उपयंत्रियों, राजस्व अधिकारियों, जोन क्र. 01, 02, 03, 04, 05, 06, 08, 10, 15, 17, 18 के जोनल अधिकारियों एवी वार्ड प्रभारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए. बैठक में अपर आयुक्त अंजू अरूण कुमार, तन्मय वशिष्ट शर्मा मौजूद थे.

निगम आयुक्त ने कहा कि बारिश का मौसम आ गया है. जिससे सड़कें भी उखड़ने की संभावना बनी रहेगी. साथ नाले नालियों के जाम होने से जल भराव की स्थिति भी बन सकती है. ऐसी स्थिति से बचाव के लिए सडकों, गलियों, नाला-नालियों की साफ-सफाई पर विशेष निगरानी रखी जाए और जल ठहराव की स्थिति कहीं भी निर्मित नहीं होनी चाहिए.

न्यूनतम पेंशन : जेल भरो आंदोलन होगा

मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आत्मदाह करेंगे

ईपीएस संघर्ष समिति की बैठक में लिया निर्णय

भोपाल, 8 जुलाई. ईपीएस-95 संघर्ष समिति ने न्यूनतम पेंशन की मांग को लेकर संसद के मानसूत्र के दौरान प्रदर्शन करने की तैयारी कर ली है. यह जानकारी मप्र के प्रदेश सचिव प्रवेश मिश्रा ने दी.

उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के हावड़ा में संपन्न ईपीएस राष्ट्रीय संघर्ष समिति की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने केंद्र सरकार द्वारा विगत 10 वर्ष से सिर्फ आश्वासन देने और फिर बदल जाने की कार्यशैली की कड़ी निंदा करते हुए ईपीएफओ कार्यालयों पर तालाबंदी कर जेल भरो आंदोलन करने का निर्णय लिया है. उसके बाद भी अगर मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आमरण अनशन सहित आत्मदाह किया जाएगा.

राष्ट्रीय संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत ने कार्यसमिति की बैठक में ईपीएफओ, श्रम तथा वित्त मंत्रालय सहित प्रधानमंत्री द्वारा आश्वासन देकर काम न करने को ईपीएस पेंशनर के साथ छल एवं मजाक बताया. मप्र के अध्यक्ष शशिभान सिंह भदौरिया ने प्रदेश के सभी पदाधिकारियों एवं ईपीएस राष्ट्रीय संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं, पेंशनर से आंदोलन का आह्वान किया है.

प्रदेश अध्यक्ष शशिभान सिंह भदौरिया, भारत समन्वयक बलवंत सिंह गुर्जर, मध्यप्रदेश समन्वयक आरए धारकर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री को आश्वस्त किया है कि मध्यप्रदेश में भी सभी ईपीएफओ कार्यालयों पर जेल भरो आंदोलन किया जाएगा.